महाविद्यालय खरसिया में छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला सम्पन्न

» हिन्दी विभाग का साप्ताहिक आयोजन

रायगढ़@किरणदूत

छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर 22 से 27 नवम्बर 2021 तक शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोश्रर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिषद प्रभारी डॉ0 रमेश टण्डन के मुख्य संयोजन, प्रो0 जयराम कुर्रे तथा प्रो0 दिनेश संजय के सह संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिदिन अलग-अलग विषय वस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ। कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्य के कवि व लेखकों ने पूरी विद्वता के साथ अपने विचारों को एम ए हिन्दी के छात्रों तक प्रत्यक्ष सम्प्रेषित किया।

प्रथम दिवस, कविद्वय भरत नायक व निर्भय गुप्ता के द्वारा छश्रीसगढ़ी भाषा के स्वरूप और व्याकरण पर प्रस्तुति दी गई। विभागीय अतिथि व्याख्याता डॉ0 आकांक्षा मिश्रा के मंच संचालन में कार्यशाला के द्वितीय दिवस, कवयित्री किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव, विकास और व्याकरण पर अपने विचार से छात्रों को अवगत कराया। प्राचार्य डॉ0 पी सी घृतलहरे के संरक्षण में सम्पन्न इस कार्यशाला के तृतीय दिवस, प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य व गीतकार संजय बहिदार ने आधुनिक छश्रीसगढ़ी साहित्य में गीत परम्परा विषय पर छात्रों को प्रेरक जानकारी देते हुए खूब हँसाया। आई क्यू ए सी समन्वयक प्रो0 मनोज साहू के सह-संयोजन में कार्यशाला के चतुर्थ दिवस, कहानीकार हर प्रसाद ढेढे ने अटकन-बटकन दही चटकन जैसे छोटे-छोटे प्रसंगों एवं छश्रीसगढ़ी कथाओं के माध्यम से लघु कथा विषय पर व्याख्यान दिया। प्रतिदिन छात्रा गायत्री डनसेना के द्वारा छश्रीसगढ़ राज्य गीत अरपा पैरी के धार...प्रस्तुति उपरान्त प्रारम्भ होती कार्यशाला के पंचम दिवस, प्रो0 माग्रेट कुजूर एवं सेवानिवृश्र प्राचार्य रामभजन पटेल ने छश्रीसगढ़ की लोक संस्कृति विषय पर व्याख्यान देते हुए क्रमशः छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति एवं स्वाध्याय आदि पर विशेष बल दिया। कार्यशाला के अंतिम दिवस, प्रसिद्ध कविद्वय गुलाब सिंह कंवर 'गुलाब' व संजयकुमार पटेल ने छत्तीसगढ़ीकविताः रचना धर्मिता विषय पर बोलते हुए पूरे माहौल को छत्तीसगढ़ी गीतमय बना दिया। प्रति दिन कार्यशाला के अंत में छात्र धनुंजय जायसवाल के द्वारा संगीतमय छत्तीसगढ़ी गीत की प्रस्तुति की गई। समस्त वक्ता अतथियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर आभार व्यक्त किया गया। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 रमेश टण्डन के अध्यक्षीय उद्बोधन से प्रारम्भ कार्यशाला में सबसे पहले माँ शारदे की कांस्य प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन अतिथियों एवं विभागीय प्राध्यापकों के द्वारा प्रतिदिन किया गया तथा सत्र विवेचन व अतिथियों का आभार विभागीय प्राध्यापक जयराम कुर्रे एवं दिनेश संजय के द्वारा किया गया।